DEPARTMENT OF JOURNALISM

GDCR

ACADEMIC CALENDAR

2022-23

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)
पत्रकारिता विभाग
विभागीय अकादमिक कैलेण्डर
जुलाई 2022 – जून 2023 तक

क्र.	दिनांक	गतिविधि / दिवस	रिर्माक
01.	05 से 11 जुलाई 2022	एक्टोपोर एवं प्रोजेक्ट फाईल जमा	ऑफलाईन
02.	12 जुलाई 2022	वृक्षा रोपण	
03.	18 से 23 जुलाई तक 22	आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा	
04.	27, 28 एवं 29 जुलाई 22	ऑनलाईन वेबीनार	संभावित तिथि
05.	अगस्त माह 2022	ओरिएंटेशन	संभावित तिथि
06.	19 (20 अगस्त) 2022	विश्व फोटोग्राफी दिवस	
07.	05 सितम्बर 2022	शिक्षक दिवस	समारोह
08.	16 नवम्बर 2022	राष्ट्रीय प्रेस दिवस	
09.	17 नवम्बर 2022	राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस	
10.	21 नवम्बर 2022	विश्व टेलीविजन दिवस	
11.	दिसम्बर 2022	एलुमनी मीटिंग	संभावित तिथि
12.	दिसम्बर माह 2022	शिक्षक पालक मीटिंग	संभावित तिथि
13.	17 दिसम्बर 2022	समूह चर्चा (समसामयिक मुददो पर)	
14.	10 जनवरी 2023	विश्व हिन्दी दिवस	
15.	21 जनवरी 2023	समूह चर्चा (समसामयिक मुददो पर)	
16.	फरवरी 2023	अतिथि व्याख्यान	संभावित तिथि
17.	13 फरवरी 2023	रेडियों दिवस	
18.	25 फरवरी 2023	समूह चर्चा (समसामयिक मुददो पर)	
19	मार्च 2023	शैक्षणिक भ्रमण	संभावित तिथि
20.	मार्च 2023	विस्तार गतिविधि	संभावित तिथि
21.	अप्रैल 2023	आंतरिक मूल्यांकन	संभावित तिथि
22.	अप्रैल 2023	अतिथि व्याख्यान	संभावित तिथि
23.	03 मई 2023	विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस	
24.	30 मई 2023	विश्व हिन्दी पत्रकारिता दिवस	
25.	05 जून 2023	पर्यावरण दिवस	

विभागाध्यक्ष
पत्रकारिता विभाग
डॉ.बी.नंदा जागृत

पत्रकारिता विभाग
दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगांव छ.ग.

पत्रकारिता विभाग

सत्र 2022 – 2023 में विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

01

दिनांक – 04.07.2022

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रार्चाय डॉ. के. एल. टाण्डेकर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित नेशनल हेल्प लाईन सेंटर 14567, में FRO के तौर पर श्री मति पारूल पाण्डेय उपस्थित थी। जिसमें भारत सरकार द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेशन का सोशल डिफेंस, नई दिल्ली द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए ***''नेशनल हेल्प लाईन सेंटर – 14567''*** का संचालन राज्य में किया जा रहा है।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने कहा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। जिस पर कॉल कर वरिष्ठ नागरिक अपनी शिकायत, समस्या दर्ज करा कर समस्यायों का समाधान पा सकते है, यह पहल बहुत सराहनीय है निश्चित तौर उनका लाभ वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाला है।

अतिथि श्रीमति पारूल पाण्डेय ने कहा ***''एल्डर लाइन''*** वरिष्ठ नागरिकों के लिए पहला अखिल भारतीय टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 28 सितंबर, 2021 को वरिष्ठ नागरिकों के लिए पहली टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर 14567 एल्डर लाइन जारी किया। वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर को ***''एल्डर लाइन''*** कहा जाता है। वरिष्ठ नागरिक का हेल्पलाइन नंबर पेंशन और कानूनी मुद्दों पर मुफ्त जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करेगा, दुर्व्यवहार के मामलों में हस्तक्षेप करेगा, और भावनात्मक समर्थन प्रदान करेगा। कोविड–19 महामारी के साथ, बुजुर्ग आबादी को सामाजिक अलगाव, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और आर्थिक तंगी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

02

दिनांक – 14.07.2022

आने वाली पीढ़ी को दे अच्छा वातावरण : डॉ. जागृत

प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर की उपस्थिति में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने मनुष्य जीवन मे पेड़ – पौधों की अनिवार्यता तथा उसके महत्व को बताया। वृक्षारोपण अभियान में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित होकर पौधे की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

राजनांदगांव(वि.)। दिग्विजय महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन के लिए पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कर सुरक्षा का संकल्प लिया गया। वहीं लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करने की अपील की गई।

प्रभारी प्राचार्य डा.अंजना ठाकुर ने मनुष्य जीवन मे पेड़ - पौधों की अनिवार्यता तथा उसके महत्व को बताया। पौधारोपण अभियान में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित होकर पौधे की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। विभागाध्यक्ष डा.बी.नंदा जागृत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए, प्रदूषण कम करने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को, प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण करना चाहिए और सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, स्कूलों, उद्योग, आंगनबाड़ी केंद्रों, रिहायशी इलाकों मे फलदार-छायादार पेड़ लगाएं तो वहीं सड़क किनारे और डिवाइडर्स पर प्रदूषण शोषक पेड़ लगाए। इस दौरान अतिथि व्याख्याता अमितेश सोनकर, रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा मौजूद रहे।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदूषण कम करने के लिए सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, स्कूलों, उद्योग, आंगनबाड़ी केंद्रों, रिहायशी इलाकों में फलदार–छायादार पेड़ लगाएं तो वहीं सड़क किनारे और डिवाइडर्स पर प्रदूषण शोषक पेड़ लगाए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को हम एक अच्छा वातावरण दे सकें। पत्रकारिता विभाग द्वारा सृजन संवाद कैंपस के सामने गुड़हल, अनार, बादाम जैसे फलदार, छायादार पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता अमितेश सोनकर, रेशमी साहू, लोकेश शर्मा एवं पत्रकारिता विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

नवभारत

दिग्विजय कॉलेज में पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन

नवभारत रिपोर्टर ●राजनांदगांव.
www.navbharat.org

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन, प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर की उपस्थिति में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा पौधा-रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने मनुष्य जीवन मे पेड़ - पौधों की अनिवार्यता तथा उसके महत्व को बताया. वृक्षारोपण अभियान में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित होकर पौधे की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए. विभागाध्यक्ष डॉ. बी.नंदा जागृत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदूषण कम होना और सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, स्कूलों, उद्योग, आंगनबाड़ी केंद्रों, रिहायशी इलाकों में फलदार-छायादार पेड़ लगाएं तो वहीं सड़क किनारे और डिवाइडर्स पर प्रदूषण शोषक पेड़ लगाए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को हम एक अच्छा वातावरण दे सकें. पत्रकारिता विभाग द्वारा सृजन संवाद कैंपस के सामने गुड़हल, अनार, बादाम जैसे फलदार, छायादार पौधे रोपित किए गए. कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता अमितेश सोनकर, रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा उपस्थित रहे.

03

दिनांक – 21.07.2022

फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम

- पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक – प्राचार्य डॉ. टांडेकर
- फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जरूरी – प्राचार्य डॉ. टांडेकर

प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के निर्देशन तथा विभागीय व्याख्याताओं अमितेश सोनकर, सुश्री रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा के सहयोग से पत्रकारिता विभाग में वेल्यू एडेड कोर्स के अन्तर्गत् आयोजित फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम सृजन संवाद भवन में आयोजित हुआ।

प्राचार्य महोदय के मुख्य आतिथ्य एवं विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां शारदे की पूजा से हुई डॉ. जागृत ने प्राचार्य महोदय का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात् प्रशिक्षण में सहभागी विद्यार्थियों, धनंजय देवांगन, भारती वर्मा एव लिंकी साहू ने इस प्रशिक्षण के अपने – अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर होते रहना चाहिए इस प्रोग्राम में मुम्बई से प्रशिक्षित विषेशज्ञों एवं प्रसिद्ध कंपनी 'केनन' के विषेशज्ञों के द्वारा आउटडोर एवं इनडोर फोटोग्राफी पर कैमरे के विभिन्न अंगों का उपयोग, प्रत्येक एंगल से फोटोग्राफी का सही तरीका, लैंस का उपयोग जैसे बहुत सी बारीकियों को जानने और सीखने को मिला इसका हमें बहुत ही लाभ हुआ इसके लिए उन्होंने प्राचार्य महोदय एवं पत्रकारिता विभाग का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ के एल टाण्डेकर ने कहा कि पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक है उन्होंने 'अकाल और भूखे बच्चे के साथ चील' वाली फोटोग्राफी

का जिक्र करते हुए समझाया कि आज के युग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी स्वरोजगार का अच्छा साधन है परंतु फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि पत्रकारिता के कोर्स में हमने यूजी बी.ए.जे.एम.सी. के साथ ही पी.जी. ...एम.जे.एम.सी... का पाठ्यक्रम खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा है ताकि यहां के विद्यार्थी इस फील्ड में अपनी उच्च शिक्षा इसी महाविद्यालय से प्राप्त कर सकें। इस बात का विद्यार्थियों ने अत्यन्त हर्ष और उत्साह के साथ कतरल ध्वनि से जोरदार समर्थन किया।

नवभारत 23/7/22

पत्रकारिता विभाग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवभारत रिपोर्टर राजनांदगांव.
www.navbharat.org

शा.दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. के.एल.टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के निर्देशन तथा विभागीय व्याख्याताओं अमितेश सोनकर, सुश्री रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा के सहयोग से पत्रकारिता विभाग में वेल्यू एडेड कार्स के अन्तर्गत् आयोजित त्रैमासिक फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम सृजन संवाद भवन में आयोजित हुआ.

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर ने कहा कि पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक है उन्होंने 'अकाल और भूखे बच्चे के साथ चील' वाली फोटोग्राफी का जिक्र करते हुए समझाया कि आज के युग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी स्वरोजगार का अच्छा साधन है परंतु फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जाना आवश्यक है.

डॉ. बीएन जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी और विडियोग्राफी में आज कल नई - नई टेकनीक उपयोग हो रहे हैं. सुंदर को कुरुप और कुरुप को सुंदर बनाने की टेकनीक इस फोटोग्राफी में आ गई है जिसका लोग कभी - कभी अपने लाभ के लिए गलत उपयोग करते हैं. त्रैमासिक प्रशिक्षण में हमारा प्रयास होता है कि न केवल पत्रकारिता बल्कि महाविद्यालय के अन्य फैकेल्टी के विद्यार्थी इसमें सहभागी हो. इस बार भी बीएजेएमसी के साथ बीएससी बीकॉम, बीए एमए इतिहास के विद्यार्थियों ने भी इसमें सहभागिता की.

डॉ.बी.एन. जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी और विडियोग्राफी में आज कल नई – नई टेकनीक उपयोग हो रहे हैं। सुंदर को कुरुप और कुरुप को सुंदर बनाने की टेकनीक इस फोटोग्राफी में आ गई है जिसका लोग कभी – कभी अपने लाभ के लिए गलत उपयोग करते हैं। इस प्रशिक्षण में हमारा प्रयास होता है कि न केवल पत्रकारिता बल्कि महाविद्यालय के अन्य फैकेल्टी के विद्यार्थी इसमें सहभागी हो। इस बार भी बी.ए.जे.एम.सी. के साथ बी.एस.सी. बी. कॉम., बी.ए., एम.ए. इतिहास के विद्यार्थियों ने भी इसमें सहभागिता की।

प्रशिक्षण एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को प्राचार्य महोदय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान– हर्ष कुमार बी.एस. सी, द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान संतोष कुमार साहू बी.ए.जे.एम.सी. पंचम सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान लोकेश कुमार बी.ए. द्वितीय वर्ष रहें। इन्हें प्रमाण पत्र के साथ मोमेंटो भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अमितेश सोनकर ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री रेशमी साहू ने किया एवं व्याख्याता लोकेश शर्मा सहित इस अवसर पर बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दावा 25/7/22

पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक - प्राचार्य डॉ के.एल.टाण्डेकर

पत्रकारिता विभाग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरित

राजनांदगांव (दावा)। शा.दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. के.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के निर्देशन तथा विभागीय व्याख्याताओं अमितेश सोनकर, सुश्री रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा के सहयोग से पत्रकारिता विभाग में वेल्यू एडेड कार्स के अन्तर्गत् आयोजित त्रैमासिक फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम सृजन संवाद भवन में आयोजित हुआ। प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य एवं विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां शारदे की पूजा से हुई डॉ. जागृत ने प्राचार्य डॉ. टांडेकर का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

तत्पश्चात् प्रशिक्षण में सहभागी विद्यार्थियों धनंजय देवांगन, भारती वर्मा एव लिंकी साहू ने इस प्रशिक्षण के अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर होते रहना चाहिए इस प्रोग्राम में मुम्बई से प्रशिक्षित विशेषज्ञों एवं प्रसिद्ध कंपनी 'केनन' के विशेषज्ञों के द्वारा आउटडोर एवं इनडोर फोटोग्राफी पर कैमरे के विभिन्न अंगों का उपयोग, प्रत्येक एंगल से फोटोग्राफी का सही तरीका, लैंस का उपयोग जैसे बहुत सी बारीकियों को जानने और सीखने को मिला इसका हमें बहुत ही लाभ हुआ इसके लिए उन्होंने प्राचार्य एवं पत्रकारिता विभाग का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर ने कहा कि पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने 'अकाल और भूखे बच्चे के साथ चील' वाली फोटोग्राफी का जिक्र करते हुए समझाया कि आज के युग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी स्वरोजगार का अच्छा साधन है परंतु फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता के कोर्स में हमने यूजी (बी.ए.जे.एम.सी) के साथ ही पी.जी. (एम.जे.एम.सी) का पाठ्यक्रम खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा है ताकि यहां के विद्यार्थी इस फील्ड में अपनी उच्च शिक्षा इसी महाविद्यालय से प्राप्त कर सकें। इस बात का विद्यार्थियों ने अत्यन्त हर्ष और उत्साह के साथ कतरल ध्वनि से जोरदार समर्थन किया।

डॉ.बी.एन. जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी और विडियोग्राफी में आज कल नई - नई टेकनीक उपयोग हो रहे है। सुंदर को कुरुप और कुरुप को सुंदर बनाने की टेकनीक इस फोटोग्राफी में आ गई है जिसका लोग कभी - कभी अपने लाभ के लिए गलत उपयोग करते है। त्रैमासिक प्रशिक्षण में हमारा प्रयास होता है कि न केवल पत्रकारिता बल्कि महाविद्यालय के अन्य फैकेल्टी के विद्यार्थी इसमें सहभागी हो। इस बार भी बी.ए.जे.एम.सी. के साथ बी.एस.सी. बी.कॉम., बी.ए. एम.ए.इतिहास के विद्यार्थियों ने भी इसमें सहभागिता की।

प्रशिक्षण एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को प्राचार्य महोदय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- हर्ष कुमार बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान संतोष कुमार साहू बी.ए.जे.एम.सी. पंचम सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान लोकेश कुमार बी.ए. द्वितीय वर्ष रहे। इन्हें प्रमाण पत्र के साथ मोमेंटो भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमितेश सोनकर ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री रेशमी साहू ने किया एवं व्याख्याता लोकेश शर्मा सहित इस अवसर पर बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

04

दिनांक – 29.09.2023

नवप्रवेशित छात्र – छात्राओं का किया स्वागत

▪ वर्तमान समय में महिला पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है : प्राचार्य डॉ. टांडेकर

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय, के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर, विशिष्ट अतिथि पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत थे। स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर, विभा सिंह व सेऊक दास की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना, राजकीय गीत से हुई। अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया।

मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता एक समाज निर्माण का स्वरूप है ऐसे में कलम के सिपाही इसका उपयोग समाज के विकास के लिए करें तो देश का निर्माण होगा वहीं आप सभी आज के युवा हैं और कल देश के जिम्मेदार नागरिक होंगे। पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाएं भी भाग लेती हैं। महिला पत्रकारों को सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान कर अपनी प्रतिभा दिखाना चाहिए। वर्तमान समय में महिला संपादकों, पत्रकारों, खेल विश्लेषकों और टेलीविजन न्यूज एकंर के रुप में काम कर रहीं हैं।

4/10/22

पत्रकारिता समाज निर्माण का स्वरूप : टांडेकर

नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत किया गया। ● कालेज प्रबंधन

राजनांदगांव(वि.)। दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डा.केएल टांडेकर थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डा.बीएन जागृत, व्याख्याता अमितेश सोनकर, विभा सिंह, सिविक दास उपस्थित रहे। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने कहा कि पत्रकारिता एक समाज निर्माण का स्वरूप है ऐसे में कलम के सिपाही इसका उपयोग समाज के विकास के लिए करें तो देश का निर्माण होगा। वहीं आप सभी आज के युवा हैं और कल देश के जिम्मेदार नागरिक होंगे। पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाएं वे व्यक्ति हैं जो पत्रकारिता में भाग लेती हैं। वे महिला पत्रकारों को सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान कर अत्यंत पर्याप्त प्रतिभाशाली बनें और वर्तमान समय में तो महिलाएं संपादकों, पत्रकारों, खेल विश्लेषकों और टेलीविजन न्यूज एकंर के रूप में काम कर रही है।

डा.केएल टांडेकर। ● कालेज प्रबंधन

पत्रकारिता में शानदार कैरियर: पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डा.बीएन जागृत ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जो व्यापक है। कोर्स के अध्ययन के लिए उम्र के बंधन खत्म होने से पत्रकारिता जगत से जुड़े लोग भी इस पाठ्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। शहर के प्रतिष्ठित और सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय की लिस्ट में शुमार है। क्योंकि महाविद्यालय में न सिर्फ पढ़ाई बल्कि खेल-कूद और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को भी महत्व दिया जाता है।

तिलक लगाकर किया स्वागत

अमितेश सोनकर ने कहा कि पत्रकारिता एक विशेष कोर्स है जिस उद्देश्य से प्रवेश लिए है उन उद्देश्यों को आवश्य पूर्ण करें और विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मैडल प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करें। विभा सिंह और सिविक दास ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि राजनांदगांव की पत्रकारिता सबसे पुरानी है। यहीं से ही अखबार प्रकाशित होता था लेकिन लिखित रुप जानकारी नहीं होने के वजह से छत्तीसगढ़ मित्र को प्रथम अखबार मना जाता है। पत्रकारिता के विद्यार्थी ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक लगा कर स्वागत किया।

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जो व्यापक है। कोर्स के अध्ययन के लिए उम्र का बंधन खत्म होने सें पत्रकारिता जगत से जुड़े लोग भी इस पाठ्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। हमारा महाविद्यालय शहर के प्रतिष्ठित और सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय की लिस्ट में शुमार है क्योकि महाविद्यालय में न सिर्फ पढाई बल्कि खेल – कूद और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को भी महत्व दिया जाता है, और छात्रों को उनके बेहतर भविष्य के लिए तैयार किया जाता है। ज्यादातर छात्र अपना

करियर बनाने में सफल होते हैं। इसके साथ ही अनुशासित माहौल होने से और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

अमितेश सोनकर ने कहा कि पत्रकारिता एक विशेष कोर्स है जिस उद्देश्य से प्रवेश लिए हैं, उन उद्देश्यों को आवश्य पूर्ण करें और विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करें। वही विभा सिंह और सेऊक दास ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि राजनांदगांव की पत्रकारिता बहुत सबसे पुरानी है यहीं से बहुत पहले अखबार प्रकाशित होता था लेकिन लिखित रूप जानकारी नहीं होने की वजह से छत्तीसगढ़ मित्र को प्रथम अखबार मना जाता है।

इस अवसर पर पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने नवप्रवेशित छात्र – छात्राओं का तिलक लगा कर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, पांरपरिक गीत, संगीत सहित अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसकी अतिथियों ने सराहना करते हुए आगे भी इस तरह के कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन पंचम सेमेसटर छात्र टामेश वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन खिलेश्वर सिन्हा ने किया।

पत्रकारिता विभाग में अतिथि व्याख्यान आयोजित
फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कोर्स का शुभारंभ...
विषय से जुड़े प्रशिक्षित पत्रकार का होना महत्वपूर्ण है : प्राचार्य, डॉ. टांडेकर
गलत खबरे और दुष्प्रचार से बचे : श्री बिचित्रानंदा पंडा

प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का शुभारंभ एवं अतिथि व्याख्यान आयोजित की गई। व्याख्यान के मुख्य अतिथि एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.), सहायक प्राध्यापक श्री बिचित्रानंदा पंडा, उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि समाननीय प्रो. श्री पंडा ने विद्यार्थियों को डेटा जर्नलिज्म, डेटा वेरीफिकेशन एंड विजुवल वेरीफिकेशन विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि फोटोग्राफी के माध्यम से कैसे गलत खबरों को लोगों के पास शेयर कर रहे है इन फोटोग्राफस को इतनी बारीकी से संपादित किया जाता है जिसे समान्य व्यक्ति पहचान नहीं पाता और लोगों के बीच उसे सच मानकर साझा कर देते हैं। इससे समाज में गलत खबरे फैल जाती है। जिसकी जॉच के लिए, गुगल लैंस वीआईडी के आधार पर सत्यापन किया जा सकता है साथ ही भ्रामक जानकारी को रोका जा सकता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने पत्रकारिता को अन्य कोर्स से हट कर विशिष्ट बताते हुए कहा कि पत्रकारिता के सभी क्षेत्र में विषय में दक्ष, पत्रकार का होना महत्वपूर्ण है। जिससे समाज को सही दिशा मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रयोगधर्मी बनने का आह्वान किया व विद्यार्थियों को अखबार पढ़ने एवं अभी से समाचार पत्रों में लिखने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कहा कि वर्तमान युग में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का महत्व बढ़ गया है पत्रकारिता के साथ – साथ लोग अपने छोटे – बड़े आयोजनों में इसका उपयोग कर रहे हैं। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन कुमारी विभा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने

में विभाग के व्याख्याता सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

पत्रकारिता विभाग में अतिथि व्याख्यान

गलत खबरें और दुष्प्रचार से बचें खुद को हमेशा अपडेट रखें-पंडा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर कॉलेज के पत्रकारिता विभाग में वैल्यूएडेड कोर्स के अंतर्गत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कोर्स का शुभारंभ एवं अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर (छग), सहायक प्राध्यापक बिचित्रानंदा पंडा उपस्थित रहे।

उन्होंने डेटा जर्नलिज्म, डेटा वेरीफिकेशन एंड विजुवल वेरीफिकेशन विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि फोटोग्राफी के माध्यम से कैसे गलत खबरों को लोगों के पास शेयर कर रहे हैं। इसे इतनी बारीकी से संपादित किया जाता है, जिसे सामान्य व्यक्ति पहचान नहीं पाता और लोगों के बीच उसे सच मानकर साझा कर देते हैं। इससे समाज में गलत खबरें फैल जाती हैं। जिसकी जांच के लिए गुगल लैंस वीआईडी के आधार पर सत्यापन किया जा सकता है साथ ही भ्रामक जानकारी को रोका जा सकता है।

प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि पत्रकारिता के सभी क्षेत्र में विषय से जुड़े प्रशिक्षित पत्रकार का होना महत्वपूर्ण है, जिससे समाज को सही दिशा मिलती है। विभागाध्यक्ष डॉ. बी नंदा जागृत ने कहा कि वर्तमान युग में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का महत्व बढ़ गया है। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सौनकर ने किया।

आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण का आयोजन

▪ फोटो लेते समय कंपोजीशन का ध्यान रखें : नितिन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण के तहत आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण के लिए स्पेशल ट्रेनर के रूप में वर्धा से पोस्ट ग्रेजुएट, प्रोफेशनल कैमरामैन, नितिन ठाकुर को आमंत्रित किया गया। गौरव पथ स्थित ऊर्जा पार्क में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी आज के समय में हमारे जीवन का एक बहुत ही खास हिस्सा बन गया है। इसका इस्तेमाल पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ हर जगह है। वहीं डॉ. जागृत ने वीडियोंग्राफी और फोटोग्राफी को रोजगार की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है बताते हुए कहा कि फोटोग्राफी के द्वारा एक व्यक्ति को अपने अंदर छुपी हुई कला और क्रिएटिविटी को लोगों के सामने लाने का एक अच्छा अवसर मिलता है। इसे व्यावासय के रूप में देखा जाये तो फोटोग्राफी का इस्तेमाल किसी प्रोडक्ट प्रचार के लिए भी किया जाता है ताकि प्रोडक्ट का मर्केटिंग अच्छे से किया जा सके।

आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण का आयोजन, फोटो लेते समय कंपोजीशन का ध्यान रखें : नितिन - XREPORTER

- वीडियोग्राफी फोटोग्राफी रोजगार की दृष्टि से है महत्वपूर्ण : डॉ. जागृत

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा संचालित वैल्यू एडेड कोर्स वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी प्रशिक्षण के अंतर्गत आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण के लिए स्पेशल ट्रेनर के रूप में वर्धा से पोस्ट ग्रेजुएट प्रोफेशनल कैमरामैन नितिन कुमार ठाकुर की उपस्थिति में गौरव पथ स्थित ऊर्जा पार्क में सम्पन्न हुआ।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी आज के समय में हमारे जीवन का एक बहुत ही खास हिस्सा बन गया है। इसका इस्तेमाल पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ हर जगह है। वहीं डॉ. जागृत ने वीडियोंग्राफी और फोटोग्राफी को रोजगार की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है बताते हुए कहा कि फोटोग्राफी के द्वारा एक व्यक्ति को अपने अंदर छुपी हुई कला और क्रिएटिविटी को लोगों के सामने लाने का एक अच्छा अवसर मिलता है। इसे व्यावासय के क्षेत्र में देखा जाये तो फोटोग्राफी का इस्तेमाल किसी प्रोडक्ट तस्वीर शूटिंग के लिए किया जाता है ताकि उस प्रोडक्ट का मर्केटिंग अच्छे से किया जा सके।

स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर ने कहा कि फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के लिए पेक्टिकल करना बहुत ही महत्वपूर्ण जो कि आज कैमरा मैनुअल सेटिंग, आईएसओ, शटर स्पीड जैसे कई बरीकियों के बारे में जानने को मिलेगा।

स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर ने कहा कि फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के लिए पेक्टिकल करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज कैमरा मैनुअल सेटिंग, आईएसओं, शटर स्पीड जैसे कई बरीकियों के बारे में आपको जानने को मिलेगा।

पत्रकारिता के छात्र –छात्राओं नें किया छत्तीसगढ़ी ओलपिंक विषय पर समूह चर्चा

❖ देश की उपलब्धि को दर्शाने में ओलपिंक की महत्वपूर्ण भूमिका

07

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास व तार्किकता को जाननें के उद्देश्य से 30 नवंबर को ***''छत्तीसगढ़ी ओलपिंक''*** विषय पर समूह चर्चा अयोजित की गई।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने छत्तीसगढ़ की जनता में बहुत ही ललक व उत्सुक्ता कि बात कहते हुए बताया कि खेल, महज खेल नहीं है, ये संस्कृति के प्रति जुड़ाव है। वहीं विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए जानकारी दी कि सभी आयुवर्ग के प्रतिभागी इसमें सम्मिलित हो रहे हैं । सभी वर्ग के लोग बढ़ – चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं साथ ही देखने को मिला कि किस तरह 60 वर्ष की बुर्जुग महिला ने फुगड़ी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

स्ववित्तिय व्यख्याता अमितेश सोनकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ी ओलपिंक बहुत ही अच्छा आयोजन है इस आयोजन से हर वर्ग के लोगों की प्रतिभा निखर कर सामने आयी और नई पहचान एवं मंच प्राप्त हुआ। स्ववित्तिय व्यख्याता विभा सिंह ने कहा ऑनलाइन के कारण खेल जो उंगलियों में सिमट कर रह गये थे उसे शारीरिक रूप से शामिल करने में इस ओलपिंक कि महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्ववित्तिय व्यख्याता सेऊक दास ने कहा कि इस ओलपिंक का लाभ तब होगा जब अंतराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के लिखाड़ी खेलेगें और मेडल लायेंगे। पत्रकारिता के छात्र –छात्राओं नें चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ी ओलपिंक विषय की खूबी व खामियॉ दोनों पक्षों पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की उपलब्धि को दर्शाने में ओलपिंक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिसके लिए प्रतिभागी कड़ी मेहनत करते है, जिससे खेलों के प्रति उत्साह बढ़ रहा है क्षेत्रीय से राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय खेलों तक जाने का मार्ग खुलेगा। साथ ही यह भी बात सामने आयी कि खेल के लिए बनाई गई कमेटी में सरकार का हस्तक्षेप ना हो कर प्रोफेशनल लोगों को शामिल किया जाए तो खिलाडियों को अच्छी सुविधा मिल सकती है। छत्तीसगढ़ी खेल विलुप्त हो रहे हैं इस आयोजन से पुनः खेल के प्रति ध्यान केन्द्रित हो रहे है। इसमें हर वर्ग के खिलाडियों को सामने आने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक संस्कृति के प्रति है जुड़ाव : डा. बीएन जागृत

विद्यार्थियों ने रखे अपने विचार

अंतः निष्कर्ष के रूप में सामने आया कि इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए लेकिन सुधार के साथ जिससे राज्यों कि नई प्रतिभा देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज करायी।

दिनांक – 29.11.2022

08

राष्ट्रीय पत्रकारिता और विश्व टेलिविजन दिवस

• हम शब्दों की पूजा करते हैं : सचिन अग्रहरि

प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस और विश्व टेलिविजन दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसमे मुख्य अतिथि, हरिभूमि, ब्यूरो चीफ राजनांदगांव (प्रेस क्लब अध्यक्ष राजनांदगांव) श्री सचिन अग्रहरि जी थे।

मुख्य अतिथि सचिन अग्रहरि ने प्रिंट मीडिया को एक लिखित दस्तावेज बताया टेलिविजन के अपेक्षा प्रिंट मीडिया ज्यादा विश्वनीय है। हम पत्रकार शब्दों को पूजते हैं। हमारे शब्द आने वाले समय का इतिहास बनेगें। आज का पत्र कल का इतिहास है। अग्रहरि ने कहा कि पत्रकारिता में चुनौतीयां एवं दबाव दोनों होते हैं पर पत्रकार को निष्पक्ष हो कर बेबाक खबरों को पाठक तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने आज पत्रकारिता के व्यावसायीकरण का कारण पाठक को बताया, क्योंकि वे सस्ते दरों में समाचार की उम्मीद करते हैं। विद्यार्थियों से सवाल जवाब करते हुए उनके जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही आग्रह किया कि प्रतिदिन समाचार पत्र पढियें, लिखिए और हिन्दी टाईपिंग अनिवार्य रूप से सिख लीजिए। साथ ही अपने पत्रकारिता के अनुभव को छात्र –छात्राओं के समक्ष साझा करते हुए कहा कि मैंने अपने पत्रकारिता की शुरूआत स्कूली शिक्षा के साथ प्रूफ रीडर के तौर पर की। मीडिया में एक छोटे से काम चालू किया था और आज हरिभूमि, ब्यूरोचीफ के साथ ही राजनांदगांव प्रेसक्लब अध्यक्ष हूँ। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए जानकारी दी कि प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़िये, खबर लिखने का प्रयास करें और साथ ही हिन्दी टाईपिंग अनिवार्य रूप से सीखने को कहा।

महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने कहा कि पत्रकारिता देश का चौथा स्तम्भ है। टेलीविजन की भूमिका हर मायने मे काफी महत्वपूर्ण रही है। न्यायपलिका, विधायिका और कार्यपालिका जैसे देश के महत्वपूर्ण स्तंभों पर नजर रखने का कार्य करने वाली खबर – पालिका आज अपने मूल कार्य से विमुख हो चुकी है। अपने प्रारम्भ में मिशन के

तहत लोगों के बीच अपनी भूमिका का निर्वाह करने वाली पत्रकारिता समय के साथ बदलते हुए प्रोफेशन के रूप मे भी परिवर्तित हुई है।

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा. जागृत ने विश्वटेलीविजन के बारे में बताया कि नवंबर 1996 में, संयुक्तराष्ट्र (यूएन) ने पहले वर्ल्ड टेलीविजन फोरम का आयोजन किया था, प्रमुख मीडिया हस्तियां फोरम का हिस्सा थी जहां उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर टेलीविजन के बढ़ते महत्व पर चर्चा कि तब से महासभा ने हर वर्ष 21 नवंबर को विश्वटेलीविजन दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। वही डॉ. जागृत ने कहा कि इलेक्ट्रानिक माध्यम हो या मुद्रित माध्यमों का व्यवसायिकरण इस बात में अब कोई दोराय नहीं है कि टेलीविजन चैनल या समाचार पत्र माध्यमों का व्यावसायीकरण हो चुका है। आने वाले समय में व्यावसायीकरण का यह चेहरा विकृत और विकराल देखने को मिलेतो समाज को हैरान नहीं होना चाहिए।

स्ववित्तीय व्यख्याता अमितेश सोनकर ने राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस के इतिहास के बारे में जानकारी दिया कि राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस प्रत्येक वर्ष 17 नवंबर को मनाया जाता है 1920 के दशक के दौरन, लेखक पाल्टर लिपमैन और अमेरिकी दार्शनिक जॉनडेवी, नें एक लोकतांत्रिक समाज में पत्रकारिता की भूमिका पर अपने विचार विमर्श को प्रकाशित किया था। तब आधुनिक पत्रकारिता अपने वास्तविक रूप मे आ रहा था। अब यह भली–भांति ज्ञात हो चुका है कि पत्रकारिता जनता और नीति निर्माताओं के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाता है। इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका एक पत्रकार निभाता है। वहीं आगे सोनकर ने पत्रकारिता की शुरूआत हरिभूमि से कर अब तक के सफर को अनुभव को शेयर किया।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पंचम सेमेस्टर के छात्र मनोज ने किया। आभार प्रदर्शन कुमारी विभा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

दिनांक – 03.12.2022

09

''साइंस रिपोर्टिंग'' पर व्याख्यान

प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर.के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग में एक दिवसीय अंतर विभागीय व्याख्यान का आयोजन ''साइंस रिपोर्टिंग'' विषय में किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में रसायनशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. डाकेश्वर वर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ राजगीत के साथ हुआ। स्वागत उद्‌बोधन में डॉ. बी. एन. जागृत के कहा आज जो पत्रकारिता के लिए बड़ी आसानी से रिपोर्टिग किया जा रहा है, वह साइंस के द्वारा दिए गए टेक्नोलॉजी से संभम हो पाई है। वैज्ञानिक अनुसंधान और खोजों और आविष्कारों की सूचनाएं लोगों तक पहुंचाना ही विज्ञान पत्रकारिता नहीं है बल्कि विज्ञान के क्षेत्र में व्याप्त गड़बड़ियों और अनियमितताओं को भी सामने लाना विज्ञान पत्रकारिता का मूल कर्तव्य है। लोगों को वैज्ञानिक ढंग से सलाह देना और उनका मार्गदर्शन करना विज्ञान पत्रकारिता का अहम कार्य है।

विषय विशेषज्ञ डॉ. डाकेश्वर वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी भी सूचना को जनता तक पहुंचने के लिए पत्रकारिता एक माध्यम है, साइंस को समझना आम जनता के लिए मुश्किल है, विशेष लक्षित जनता होता है। शब्द कठिन है ''त्रुटि रहित रिपोर्टिंग'' पर जोर दिया। आज तकनीकी प्रगति के युग में, अधिकांश लोग ऐसे लेख पसंद करते हैं जो सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक, आलोचनात्मक और निरंतर प्रवाह वाले हों। किसी विशेष विषय पर लेख लिखने के लिए, उपलब्ध साहित्य को पढ़ने और समझने और संबंधित विशेषज्ञों के साथ विषय पर चर्चा करने और उनके सुझावों को शामिल करने की आवश्यकता होती है।

जरूरी आंकड़े, डायग्राम, फोटो आदि भी जमा करने होते हैं। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि विषय – मुद्दे का एक एकीकृत और संतुलित दृष्टिकोण आम जनता के लिए आसानी से समझने योग्य भाषा में उचित विश्लेषण के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। एक लेख में आवश्यक रूप से सतर्कता और रिपोर्टर की खोजी मानसिकता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। निस्संदेह आम आदमी भी ऐसे लेखों और रिपोर्टों की सराहना करते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं, विद्यार्थियों की साइंस से संबंधित समस्याओं को समाधान किया। संचालन स्ववित्तीय प्राध्यापक श्री अमितेश सोनकर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्ववित्तीय प्राध्यापक सुश्री विभा सिंह, श्री सेऊक दास का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक – 05.12.2022

10

अंतविभागीय व्याख्यान ''पत्रकारिता की हिग्लिश भाषा''

प्राचार्य के.एल. टांडेकर.के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग में एक दिवसीय अंतर विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अनीता साहा उपस्थित थीं। राज गीत से प्रारंभ इस व्याखान में विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत ने स्वागत उद्‌बोधन में कहा पत्रकारिता के बदलते स्वरूप में अंग्रेजी भाषा का बड़ा महत्व है, बिना अंग्रेजी ज्ञान के व्यक्ति को कमतर आंका जाता है। हिंदी पत्रकारिता में इंग्लिश का स्वरूप बदल कर हिंग्लिश हो गया। व्याख्यान उपयोगी होगा हिंग्लिश , अंग्रेजी और हिंदी का मिश्रित शब्द है।

विषय विशेषज्ञ डॉ अनीता साहा ने ''मीडिया में इंग्लिश का बढ़ता उपयोग'' विषय पर व्याख्यान के दौरान कहा आम जनता अपनी दैनिक जीवन में बात करते समय एक भाषा या बोली का इस्तेमाल करता है, मीडिया भी आम बोल चाल की भाषा को अपना लिया है। इस दौर में शायद ही ऐसी कोई भाषा होगी जो अपने मूल रू‍प में बोला या लिखा जाता होगा।

मीडिया की दुनिया में इन दिनों भाषा का सवाल काफी गहरा हो गया है। मीडिया में जैसी भाषा का इस्तेमाल हो रहा है उसे लेकर शुद्धता के आग्रही लोगों में काफी हाहाकार व्याप्त है। चिंता हिन्दी की है और उस हिन्दी की जिसका हमारा समाज उपयोग करता है। बार–बार ये बात कही जा रही है कि हिन्दी में अंग्रेजी की मिलावट से हिन्दी अपना रूप–रंग–रस और गंध खो रही है। हिंग्लिश का उपयोग चलन में आने से एक नई किस्म की भाषा का विस्तार हो रहा है। किंतु आप देखें तो वह विषयगत ही ज्यादा है।

लाइफ स्टाइल, फिल्म के पन्नों, सिटी कवरेज में भी लाइट खबरों पर ही इस तरह की भाषा का प्रभाव दिखता है। डॉ. अनीता साहा ने विषय संबंधित विद्यार्थियों जिज्ञासा की विस्तार से जानकारी दिया। संचालन सहायक प्राध्यापक अमितेश सोनकर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सहायक प्राध्यापक सुश्री विभा सिंग, श्री सेऊक दास का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक – 16.12.2022

11

समूह चर्चा – वर्ल्ड फीफा कप वर्ल्ड

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य के.एल. टांडेकर. के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग में विद्यार्थियों के बीच ''वर्ल्ड फीफा कप विषय'' पर समूह चर्चा कार्यक्रम रखी गयी। जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत ने *''वर्ल्ड फीफा कप''* पर प्रकाश डालते हुए उसके ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि से अवगत कराया साथ ही कहा, फुटबॉल विश्व का सबसे लोकप्रिय खेल है, इसे लगभग सारे देश खेलते हैं। 2022 फीफा विश्व कप 22वां फीफा विश्व कप था, जो फीफा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल टीमों के लिए चतुष्कोणीय विश्व चौंपियनशिप थी। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में कुल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं लेकिन इसमें भारत का नाम शामिल नहीं है। पहली बार कोई इस्लामिक देश, कतर में इसका आयोजन किया गया।

फीफा विश्व कप (FIFA World Cup) – यह विश्व में सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है जो प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित की जाती है। पहला फीफा विश्व कप वर्ष 1930 में उरुग्वे में आयोजित उरुग्वे ने जीता। ट्रॉफी वर्ष 1930 से 1970 तक दिया जाने वाला ट्रॉफी कप जूल्स रिमेट ट्रॉफी था, जिसका नाम उस फ्राँसीसी व्यक्ति के नाम पर रखा गया था जिसने टूर्नामेंट का प्रस्ताव रखा था।वर्ष 1970 में प्रतियोगिता के लिये फीफा विश्व कप नामक एक नई ट्रॉफी शुरू की गई। फीफा विश्व कप 2022 के मुख्य पुरस्कार – फीफ ने पूरे विश्व कप में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन को मान्यता देने के लिये कई पुरस्कारों की घोषणा की, जिनमें शामिल हैं – गोल्डन बूट – किलियन एम्बाप्पे, गोल्डन ग्लोव – एमिलियानो मार्टिनेज, गोल्डन बॉल – लियोनेल मेसी, युवा खिलाड़ी – एंजो फर्नांडीज, फीफा फेयर प्ले अवार्ड – इंग्लैंड फीफा विश्व कप आधिकारिक बॉलः

विद्यार्थियों ने चर्चा की कैसे वर्ल्ड फीफा कप में सदस्यता ली जाती है, सभी टीमों में क्वालीफायर मैच खेला जाता है, जो देश वर्ल्ड फीफा कप आयोजन करता है, उनको सीधे सदस्यता मिल जाती है। ऐसा नहीं है कि भारत ने कभी फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं किया हो भारतीय टीम ने साल 1950 में ब्राजील में आयोजित विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया था, इसके बावजूद वह भाग नहीं ले पाई। इस चर्चा में सहायक प्राध्यापक श्री अमितेश सोनकर, सुश्री विभा सिंग, श्री सेऊक दास का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

12

दिनांक – 08.12.2022

शिक्षक – अभिभावक सम्मेलन

छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर भावुक हो गये, उनकी आखों से आसू छलक पडे

- **पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है नौकरी उन्हीं के लिए है जो नौकरी के लिए है : प्राचार्य डॉ. टांडेकर**

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन में एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत के मार्गदर्शन में शिक्षक – अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारिता विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों के विभिन्न गांवों से आए अभिभावकों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती व छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

अभिभावक सम्मेलन की रूपरेखा विभागाध्यक्ष डॉ. जागृत द्वारा रखी गई। उन्होंने सम्मेलन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि वे ध्यान रखें कि उनके बच्चें महाविद्यालय जाकर क्या कर रहे हैं उनकी कमजोरी व खुबियों की जानकारी पालकों को रखनी चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करते हुए अध्ययन करना चाहिए। महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास की शिक्षा दी जाती है। वहीं डॉ जागृत ने कहा कि आज कल के बच्चें मोबाईल फोन को ज्यादा महत्व दे रहे हैं इस पर अभिवकों को विशेष ध्यान देना चाहिए। शिक्षक – अभिभावक सम्मेलन बच्चों और विभाग दोनों के लिए बहुत जरुरी है। छात्रों से ही विभाग और महाविद्यालय का नाम रोशन होता है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि शिक्षा समाज की आवश्यकता है। इसे बेहतर बनाने के लिए शिक्षक – अभिभावक और विद्यार्थियों में सामंजस्य जरूरी है। ऐसा होने पर ही शिक्षा के क्षेत्र में विकास हो सकता है। नई शिक्षा नीति में अभिभावकों के योगदान को प्रमुख बताते हुए कहा कि भारत में शिक्षा का नवाचार हुआ है। शिक्षा के ढांचागत विकास से ही समाज का विकास होता है। अभिभावकों की देखरेख व सुझाव पर जो विद्यार्थी अमल कर रहे हैं, उन्हें सफलता भी मिल रही है। उन्होंने ने कहा कि पत्रकार का जागरूक होना महत्वपूर्ण है जागरूकता के साथ समाज का दर्पण बनकर कार्य करना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है नौकरी उन्ही के लिए है जो नौकरी

पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है, नौकरी उन्हीं के लिए है, जो नौकरी के लिए हैः प्राचार्य डॉ. टाड़ेकर

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के निर्देशन में एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के मार्गदर्शन में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारिता विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों के विभिन्न गांवों से आए अभिभावकों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती व छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

अभिभावक सम्मेलन की रूपरेखा विभागाध्यक्ष डॉ जागृत द्वारा रखी गई। उन्होंने सम्मेलन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि वे ध्यान रखें कि उनके बच्चें महाविद्यालय जाकर क्या कर रहे है उनकी कमजोरी व खुबीयों को जानकारी पालकों को रखनी चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करते हुए अध्ययन करना चाहिए। महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास की शिक्षा दी जाती है। वहीं डॉ जागृत ने कहा कि आज कल के बच्चें मोबाईल फोन को ज्यादा महत्व दे रहे है इस पर अभिभावकों को विशेष ध्यान देना चाहिए। शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन बच्चों और विभाग दोनों के लिए बहुत जरुरी है। छात्रों से ही विभाग और महाविद्यालय का नाम रोशन होता है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि शिक्षा समाज की आवश्यकता है। इसे बेहतर बनाने के लिए शिक्षक- अभिभावक और विद्यार्थी में सामंजस्य जरुरी है। ऐसा होने पर ही शिक्षा के क्षेत्र में विकास हो सकता है। नई शिक्षा नीति में अभिभावकों के योगदान को प्रमुख बताते हुए कहा कि भारत में शिक्षा का नखाचार हुआ है। शिक्षा के ढांचागत विकास से ही समाज का विकास होता है। अभिभावकों की देखरेख व सुझाव पर जो विद्यार्थीय अमल कर रहे हैं, उन्हें सफलता भी मिल रही है। वहीं प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि पत्रकार का जागरुक होना महत्वपूर्ण है जागरुकता के साथ समाज का दर्पण बनकर कार्य करना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है नौकरी उन्हीं के लिए है जो नौकरी के लिए है। साथ ही पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने समाचार पत्र, विभागीय पुस्तके, शैक्षणिक भ्रमण एवं मीडिया लैब निर्माण का प्रस्ताव रखा। जिस पर प्राचार्य ने सहमति दी।

जो अभिभावक कभी स्कूल-कॉलेज नहीं गये, वह अपने बच्चों को महाविद्यालय में पढ़ते देखकर बहुत खुशी जाहिर की। कई छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर भावुक हो गये। उनकी आखें से आसु छलक पड़े। यह सम्मेलन खास रहा क्योंकि शासन ने पढ़ने की आयु सीमा समाप्त कर दी है, जिससें छात्रों के साथ अभिवावक के रूप में जीवन साथी भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता कु. विभा सिंह, सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही अभिभावक व अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

- पत्रकारिता विभाग में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित
- छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर हुए भावुक, उनकी आखें से आसु छलक पड़े

के लिए है। साथ ही पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने समाचार पत्र, विभागीय पुस्तके, शैक्षणिक भ्रमण एवं मीडिया लैब निर्माण का प्रस्ताव रखा। जिस पर प्राचार्य ने सहमति दी। जो अभिभावक कभी स्कूल – कॉलेज नहीं गये वे अपने बच्चों को महाविद्यालय में देखकर अपनी खुशी जाहीर की। कई छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर भावुक हो गये उनकी आखें से आँसु छलक पडे। यह सम्मेलन खास रहा क्योंकि शासन ने पढ़ने की आयु सीमा समाप्त कर दी है, जिससें छात्रों के साथ अभिवावक के रूप में जीवन साथी भी सम्मिलित हुए।

22.12.2022

पत्रकारिता विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम

▪ पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखा प्रिंटिंग – प्रेस की कार्यप्राणली

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत बल्देव बाग स्थित सबेरा संकेत अखबार कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया।

विभागाध्यक्ष बी. एन. जागृत ने छात्रों को बताया सबेरा संकेत राजनांदगांव का सबसे पुराना अखबार छपाई का कार्यालय है जिसमें सबेरा संकेत नाम का ही अखबार छपता है। सबेरा संकेत का इतिहास लगभग 67 वर्ष पुराना है, जहां समाचार पत्र के लिए कौन समाचार एकत्र करते हैं, प्रिंटिंग प्रेस से कैसे उसे आम पाठक तक जल्द से जल्द पहुंचाने की कोशिश होती है और इसके लिए कैसे समाचार पत्र के संपादकीय, विज्ञापन, प्रिंटिंग और अन्य स्टाफ एक टीम के रूप में कार्य करते हैं। इन बातों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सबेरा संकेत प्रमुख श्री शैलेंद्र कोठारी ने कहा कि सबेरा संकेत 1975 से दैनिक अखबार के रूप में प्रकाशित हो रहा है। सोशल मीडिया या डिजिटल मीडिया यह सब अभी शुरू हुए हैं, पूर्व में प्रिंट मीडिया में बहुत ही संघर्ष भरा कार्य हुआ करता था। लेखन कार्य से लेकर आज के समय में कंप्यूटर और इंटरनेट के आ जाने से कार्यों में थोड़ी सरलता आ गई है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आ जाने के बाद से प्रिंट मीडिया की लोकप्रियता ने कमी आई है लेकिन प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता अभी भी बरकरार रखी है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार के द्वितीय वर्ष के छात्र और सबेरा संकेत में कार्यरत अखिलेश खोब्रागड़े द्वारा सभी छात्र – छात्राओं को अखबार छपने की प्रक्रिया, वितरण सहित, अखबार किन – किन विभागों से होकर गुजरता है और किन मशीनों द्वारा क्या कार्य किए जाते हैं की जानकारी दी गई। पूर्व में अखबार किस तरीके से छपते थे। और आज के समय अखबार की छपाई में

क्या – क्या बदलाव आया है। इसके बारे मे जानकारी दी गई। सभी छात्रों को कार्यालय भवन का भ्रमण कराया गया।

स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर ने छात्रों को बताया की खबरों के सोर्सेस के माध्यम से समाचार एकत्रित करने के बाद अखबार में प्रकाशित होने के लिए विभिन्न प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता है। जिसे हम क्लास में पढ़ते हैं लेकिन आज भ्रमण के दौरान प्रत्येक कार्य को प्रायोगिक रुप से देखने व समझने को मिला रहा है। स्ववित्तीय व्याख्याता सेऊक दास ने छात्रों को बताया पुराने मशीनों और आज की अत्याधुनिक मशीनों में किस प्रकार का परिवर्तन आ चुका है। दैनिक भास्कर जनसत्ता अमर उजाला ऐसे बड़े – बड़े अखबारों में नई और अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग हो रहा है। स्ववित्तीय व्याख्याता विभा सिंह ने कहा कि प्रिंट मीडिया मे होने वाले कार्य एक लंबी प्रक्रिया से गुजर कर पाठकों तक पहुंचता है। मीडिया के सभी क्षेत्रों में से प्रिंट मीडिया को सर्वाधिक विश्वसनीय माना जाता है।

कार्यालय भ्रमण के दौरान पत्रकारिता के सभी विद्याथियों को साहित्य संपादक प्रेरणा तिवारी, प्रांतीय संपादक आरती दुबे, प्रांतीय सह संपादक बी.एस. चौहान, ले आऊट डिजाइनर कुबेर साहू, गिरधर साहू, कम्प्यूटर रीडिंग लता घोपाल, मशीन आपरेटर संजय मिश्रा सभी ने अपने – अपने कार्यो के बारे में जानकारी दी।

शुरूआत में प्रिंट मीडिया संघर्ष भरा - कोठारी

पत्रकारिता के स्टुडेन्ट्स ने सबेरा संकेत देखा

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत बल्देव बाग स्थित सबेरा संकेत अखबार कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया।

विभागाध्यक्ष बी. एन. जागृत ने छात्रों को बताया सबेरा संकेत राजनांदगांव का सबसे पुराना अखबार छपाई का कार्यालय है, जिसमें सबेरा संकेत नाम का ही अखबार छपता है। सबेरा संकेत का इतिहास लगभग 67 वर्ष पुराना है। जहां समाचार पत्र के लिए कौन समाचार एकत्र करते हैं, प्रिंटिंग प्रेस से कैसे उसे आम पाठक तक जल्द से जल्द पहुंचाने की कोशिश होती है और इसके लिए कैसे समाचार पत्र के संपादकीय, विज्ञापन, प्रिंटिंग और अन्य स्टाफएक टीम के रूप में कार्य करते हैं, इन बातों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

सबेरा संकेत के प्रबंध संपादक शैलेंद्र कोठारी ने कहा कि सबेरा संकेत 1975 से दैनिक अखबार के रूप में प्रकाशित हो रहा है। सोशल मीडिया या डिजिटल मीडिया यह सब अभी शुरू हुए हैं पूर्व में प्रिंट मीडिया बहुत ही संघर्ष भरा कार्य हुआ करता था लेखन कार्य से लेकर आज के समय में कंप्यूटर और इंटरनेट के आ जाने से कार्यों में थोड़ी सरलता आ गई है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आ जाने के बाद से प्रिंट मीडिया की लोकप्रियता में कमी आई है, लेकिन प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता अभी भी बरकरार रखी है।

''फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियॉ एवं संभावनाएं'' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन

▪ पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य : प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव **में** प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण के तहत एक दिवसीय *''फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियॉ एवं संभावनाएं''* विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में केनन कंपनी – शाखा रायपुर, से एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर, प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर और कार्यकारी मुद्रक सुनील शुक्ला विषय विशेषज्ञ के रुप में उपस्थित रहे।

सीख

शासकीय दिग्विजय कॉलेज में एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन

पत्रकारिता के विद्यार्थियों को फोटोग्राफी की बारीकियां बताई गई

पत्रिका सिटी एंकर

शासकीय दिग्विजय कॉलेज में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की चुनौतियों और संभावनाओं को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। यह आयोजन प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के नेतृत्व में केनन कंपनी शाखा रायपुर द्वारा किया गया।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

राजनांदगांव. इस वर्कशॉप में कंपनी से एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर, प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर और कार्यकारी मुद्रक सुनील शुक्ला विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी नंदा जागृत ने कहा कि छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को अलग-अलग कैमरों से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

कैमरे की तकनीक भी बताई गई

एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराकर परिचय कराया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने इस वर्कशॉप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने भी फोटोग्राफी में सफल होने का गुर बताया। उन्होंने फोटोग्राफी को चुनौतिपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी। कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने प्रशिक्षण की सरहना करते हुए कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ – साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है।

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कार्यशाला के दौरान छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को बड़े अलग–अलग कैमरो से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? उन्होंने इस वर्कशॉप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया।

प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने कहा कि जिस प्रकार एक ड्राइवर के लिए अपनी मोटरकार के कल – पुर्जो की जानकारी होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार कैमरामैन के लिए भी जरूरी है कि उसे कैमरे के हर भाग की जानकारी हो तभी वह अपनी फोटोग्राफी में सफल हो पायेगा। आज पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग व्यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता विभा सिंह, सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

राजनांदगांव, रविवार दिनांक 29 जनवरी 2023 4

पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य : नरेंद्र राठौर

o पत्रकारिता विभाग के द्वारा -फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियाँ एवं संभावनाएं- विषय पर वर्कशॉप का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण के तहत एक दिवसीय -फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियाँ एवं संभावनाएं- विषय पर केनन कंपनी - शाखा रायपुर द्वारा वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में केनन कंपनी - शाखा रायपुर, से एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर, प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर और कार्यकारी मुद्रक सुनील शुक्ला विषय विशेषज्ञ के रुप में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने प्रशिक्षण की सरहना करते हुए कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ - साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है। पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कार्यशाला के दौरान छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को बड़े अलग-अलग कैमरो से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराकर परिचय कराया गया। कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने इस वर्कशॉप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया।

प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने कहा कि जिस प्रकार एक ड्राइवर के लिए अपनी मोटरकार के कल - पुर्जों की जानकारी होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार कैमरामैन के लिए भी जरुरी है कि उसे कैमरे के हर भाग की जानकारी हो तभी वह अपनी फोटोग्राफी में सफल हो पायेगा। आज पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग व्यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता विभा सिंह, सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

नईदुनिया 29-1-23

वीडियो-फोटोग्राफी में कड़ी चुनौतियां, तकनीकी ज्ञान जरूरी : टांडेकर

राजनांदगांव(वि.)। दिग्विजय कालेज के पत्रकारिता द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अंतर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण पर वर्कशाप का आयोजन किया गया।

विषय विशेषज्ञ के रुप में योगेश ठाकुर, रेंद्र राठौर व सुनील शुक्ला उपस्थित रहे। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है। पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डा.बी नंदा जागृत ने कार्यशाला के दौरान छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को बड़े अलग-अलग कैमरो से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते विशेषज्ञ। • कालेज प्रबंधन

तकनीकी पहलुओं से कराया अवगत: एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराकर परिचय कराया गया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने इस वर्कशाप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने कहा कि जिस प्रकार एक ड्राइवर के लिए अपनी मोटरकार के कल पुर्जों की जानकारी होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार कैमरामैन के लिए भी जरूरी है कि उसे कैमरे के हर भाग की जानकारी हो तभी वह अपनी फोटोग्राफी में सफल हो पाएगा। आज पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग व्यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी।

दिनांक – 20.02.2023

विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य पर ''आपकी फरमाईश'' कार्यक्रम का आयोजन

रेडियो को भुल ना जाना हमेंशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना : प्राचार्य डॉ. टांडेकर

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में ***''आपकी फरमाईश''*** कार्यक्रम आयोजित की गयी। कार्यक्रम में कॉल के माध्यम से जुड़ कर श्रोताओं की फरमाईश पर गीत, कविता, और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया गया।

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने अपना अनुभव को साझा करते हुए कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग – अलग तरह के रगों से भरता है। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रंतिकारी परिवर्तन आ जाये लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय मे रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीढ़ी निर्भर रहती थी। कार्यक्रम सुनने कि जिज्ञासा के चलते अपने पसंदीदा उद्घोषक की आवाज का इतजार रहता था। अब तकनीक बहुत विकसित हो गयी है जो कभी – कभी दुषित मानसिकता को बढ़ावा देने में जिम्मेदार भी है। बदलते समय के साथ रेडियो का संगीत कही खो गया है। टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीढ़ी रेडियो पर संगीत का आनंद नही ले पा रही है। रेडियो को भुल ना जाना हमेंशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादो को साझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। रेडियो जॉकी बनने के लिए सिर्फ बोलना ही नहीं बल्कि क्या, कितना, कब और कैसे प्रभावी ढ़ग से प्रस्तुत करने आना चाहिए। वहीं रेडियो कानों में रस घोरता, मधुर संगीत और जरूरी जानकरी देने वाला मुफ्त, सशक्त, सरल एवं सुलभ जनसंचार माध्यम है जो अपने कार्यक्रमों के जरिये देश की विविधता से अवगत करवाता है। साथ ही डॉ. जागृत ने बताया कि आरजे बनने के लिए अच्छे ज्ञान के साथ – साथ विविध शब्दावली पर पकड़ होनी चाहिए।

''आपकी फरमाईस'' कार्यक्रम मे जुड़ी किशोर न्याय बोर्ड, मेम्बर, श्रीमति पुष्पलता गनवीर ने मीडिया के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण पर अपनी बात रखते हुए बताया कि महिलाओं को पुरी स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है ये उनका जन्म सिद्ध अधिकार है महिलाओं को भी अपनी पूर्व धरनाओं को

पत्रकारिता विभाग में विश्व रेडियो दिवस पर
'आपकी फरमाईश' कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में 'आपकी फरमाईश' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉल के माध्यम से जुड़कर श्रोताओं की फरमाईश पर गीत, कविता और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया।

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने अपना अनुभव को सझा करते हुए कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग-अलग तरह के रगों से भरता है। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ जाये लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय में रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीढ़ी निर्भर रहती थी।

कार्यक्रम सुनने कि जिज्ञासा के चलते अपने पसंदीदा उद्घोषक की आवाज का इंतजार रहता था। अब तकनीक बहुत विकसित हो गई है जो कभी-कभी दूषित मानसिकता को बढ़ावा देने में जिम्मेदार भी है। बदलते समय के साथ रेडियो के संगीत कही खो गया है, टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीढ़ी रेडियो पर संगीत का आनंद नही ले पा रही है। रेडियो को भूल ना जाना हमेशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना तभी रेडियो दिवस मनाना सार्थक है।

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादो को सझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। रेडियो जॉकी बनने के लिए सिर्फ बोलना ही नहीं बल्कि क्या, कितना, कब और कैसे प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने आना चाहिए, वही रेडियो कानों में रस घोलता, मधुर संगीत और जरुरी जानकारी देने वाला मुफ्त, सशक्त, सरल एवं सुलभ जनसंचार माध्यम है जो अपने कार्यक्रमों के जरिये देश की विविधता से अवगत करवाता है। साथ ही डॉ. जागृत ने बताया कि आरजे बनने के लिए अच्छे ज्ञान के साथ- साथ विविध शब्दावली पर पकड़ होनी चाहिए।

''आपकी फरमाईस'' कार्यक्रम मे जुड़ी किशोर न्याय बोर्ड, मेम्बर, श्रीमति पुष्पलता गनवीर ने मीडिया के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण पर अपनी बात रखते हुए बताया कि महिलाओं को पुरी स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है ये उनका जन्म सिद्ध अधिकार है महिलाओं को भी अपनी पूर्व धरनाओं को बदलने की जरुरत है कि वो कमजोर है और उन्हे कोई भी धोखा दे सकता है। इसके बजाये वे सोचने की आवश्यकता है कि उनमें पुरुषो से अधिक शक्ति है और वे बेहतर कर सकती है। वही 'आपकी फरमाईस' में जुड़ी महिला सशक्तिकरण जिला अध्यक्ष श्रीमति बुधिमित्रा वासनिक ने अपने कैरियर के सघर्षो के बारे मे बात करते हुए कहा कोई भी समय इतना कठिन नही होता कि उससे बहार ना निकला जा सके बस जरुरत है, तो इस बात की समस्याओं से घबराये बिना उनसे डटकर सामना करने की हिम्मत रखना चाहिए।

आपकी फरमाईश कार्यक्रम के दौरान आरजे के भूमिका पर बीजेएमसी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा इला सिद्दीकी और रुबिना सिद्दीकी ने निभाई। जिसमें श्रोताओं की फरमाईश पर कॉल के माध्यम से जुड़ कर श्रोताओं की फरमाईश पर गीत, कविता, और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया। छात्र – छात्राओं ने इस अवसर पर अपनी भी पंसदीदा गीतों की फरमाईश की। अत्यंत खुशनुमा माहौल में कार्यक्रम का समापन हुआ।

रेडियो को भूल ना जाना हमेशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना- प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। आभार प्रदर्शन प्रध्यापक कु. विभा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है : डा. केएल टांडेकर

राजनांदगांव (वि.)। विग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग ने विश्व रेडियो दिवस पर आपकी फरमाईश कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में काल के माध्यम से जुड़ कर श्रोताओं की फरमाइश पर गीत, कविता और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया।

प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग-अलग तरह के रंगों से भरता है। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ जाए।

लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय मे रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीढ़ी निर्भर रहती थी। उन्होंने कहा कि टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीढ़ी रेडियो पर संगीत का आनंद नहीं ले पा रही है। रेडियो को भूल न जाना हमेशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना तभी रेडियो दिवस मनाना सार्थक है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकारिता के विद्यार्थी हिस्सा लेते हुए। ● नईदुनिया

सूचना के लिए सशक्त माध्यम

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डा. बी नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादों को सझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। रेडियो जाकी बनने के लिए सिर्फ बोलना ही नहीं बल्कि अच्छे ज्ञान के साथ-साथ विविध शब्दावली पर पकड़ होनी चाहिए। पृथ्वीलता गनवीर ने मीडिया के क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण पर अपनी बात रखते हुए बताया कि महिलाओं को पुरी स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है, ये उनका जन्म सिद्ध अधिकार है।

संघर्ष करने पर दिया जोर

आपकी फरमाइश में जुड़ी महिला सशक्तिकरण जिला अध्यक्ष बुधिमित्रा वासनिक ने अपने कैरियर के संघर्षों के बारे में बात करते हुए कहा कोई भी समय इतना कठिन नहीं होता कि उससे बहार ना निकला जा सके बस जरुरत है तो इस बात की समस्याओं से घबराए बिना उनसे डटकर समना करने की हिम्मत रखना चाहिए। इस दौरान इला सिद्दीकी और रुबिना सिद्दीकी, प्रध्यापक अमितेश सोनकर, प्राध्यापक विभा सिंह व अन्य मौजूद रहे।

वर्तमान समय में क्रांतिकारी बदलाव तो आए पर रेडियो से जुड़ाव अब भी जारी

राजनांदगांव @ पत्रिका.

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में 'आपकी फरमाइश' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉल के माध्यम से जुड़कर श्रोताओं की फरमाइश पर गीत, कविता, और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया।

प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने अपना अनुभव को सझा करते हुए कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी हैं। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग-अलग तरह के रगों से भरता हैं। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ जाए, लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय में रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था, बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीनी निर्भर रहती थी।

कार्यक्रम सुनने कि जिज्ञासा के चलते अपने पसंदीदा उद्घोषक की आवाज का इतजार रहता था। अब तकनीक बहुत विकसित हो गई है, जो कभी-कभी दूषित मानसिकता को बढ़ावा देने में जिम्मेदार भी है। बदलते समय के साथ रेडियो के संगीत कही खो गया है, टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीनी रेडियो पर संगीत का आनंद नही ले पा रही है। रेडियो को भुल ना जाना हमेशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना तभी रेडियो दिवस मनाना सार्थक हैं।

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादो को सझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

16

दिनांक – 20.02.2023

एम.ओ.यू. के तहत ''भारतीय सविधान'' पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

▪ अंबेडकर व्यक्ति नहीं विचार धारा है, वे एक प्रखर पत्रकार व सच्चे राष्ट्रवादी थें, वे नारियों के मुक्ति दाता हैं : प्राचार्य डॉ. टांडेकर

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के. एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के नेतृत्व में एम. ओ. यू. गतिविधि के अंतर्गत सेंटथामस महाविद्यालय, भिलाई के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों एंव दिग्विजय महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ दिग्विजय महाविद्यालय में भारतीय संविधान विषय पर समूह चर्चा का आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वाग्देवी मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर छात्र – छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया गया, तथा उन्हें भारतीय संविधान की जानकारी दी गई।

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर, ने भारतीय संविधान के निर्माण, विशेषता के साथ ही महत्ता और प्रदत्त किए गए मानव के अधिकारों के बारे में बताया। साथ ही कहा अंबेडकर व्यक्ति नहीं विचार धारा है। वे एक प्रखर पत्रकार व सच्चे राष्ट्रवादी थें, वे नारियों के मुक्ति दाता हैं। यह सब संविधान के बल बुते पर संभव हो सका है। आजाद भारत के आजाद नागरिकों को अपने संवैधानिक अधिकार को अवश्य ही जानना चाहिए।

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत, ने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने देश को एक नई दिशा दी, जिसकी बदौलत आज देश तरक्की की ओर अग्रसर हैं। वहीं डॉ.जागृत ने स्टूडेंट एक्सचेंज गतिविधि का महत्व बताते हुए सेंटथामस महाविद्यालय, की जानकारी दी।

इस गतिविधि में सम्मिलित विद्यार्थियों एवं दोनों महाविद्यालय के प्राध्यापकों का परिचय कराया। छात्र – छात्राओं को भारतीय संविधान की जानकारी देने के साथ ही इसकी विशेषताओं से भी अवगत कराया।

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष सेंटथामस महाविद्यालय भिलाई, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. रीमा देवांगन, ने कहां आज हम एम.आ. यू. तहत उपस्थित हुए हैं। इस तरह के कार्यक्रम से दो महाविद्यालय आपस में मिलते है साथ ही छात्र – छात्रएं एक दूसरे से भी परिचित होते हैं। इस तरह किसी विषय पर चर्चा करने से ज्ञान विकास होता है। इस तरह के कार्यक्रम होते रहना चाहिए।

इस दौरान दोनों महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सविधान के निर्माण एवं इसकी मुख्य विशेषताओं के बारें में बताया। संविधान का निर्माण भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। 26 नवंबर की ऐतिहासिक तारीख को सन 1949 में भारतीय संविधान को स्वीकार किया गया। लेकिन इसे 26 जनवरी को लागू किया गया। एक भारतीय होने के नाते समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार एवं शिक्षा से संबंधित अधिकार मिलें हुए है। कार्यक्रम का संचालन अमितेश सोनकर ने किया।

नवभारत my city

छात्र-छात्राओं को पढ़ाया भारतीय संविधान का पाठ

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एम.ओ.यू. गतिविधि के अंतर्गत सेंटथामस महाविद्यालय, भिलाई के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों एवं दिग्विजय महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ दिग्विजय महाविद्यालय में भारतीय संविधान विषय पर समूह चर्चा का आयोजित की गई. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया गया, तथा उन्हें भारतीय संविधान की जानकारी दी गई. प्राचार्य टांडेकर, ने भारतीय संविधान के निर्माण, विशेषता के साथ ही महत्ता और प्रदत्त किए गए मानव के अधिकारों के बारे में भी बताया. साथ ही कहा अंबेडकर व्यक्ति नहीं विचार धारा है.

दिनांक – 21.04.2023

17

एम. ओ. यू. के तहत जनसंपर्क दिवस मनाया गया

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एम. ओ. यू. कार्यक्रम के तहत, जनसंपर्क दिवस रूआबाधां में स्थित सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सूचना सेवा के अफसर और दूरदर्शन केन्द्र रायपुर के सहायक निर्देशक (समाचार) डॉ. मनोज सोनेन थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ समस्त अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अपने आशीर्वचन में सेंट थामस महाविद्यालय के प्रशासक फादर डॉ. जोशी वर्गीज ने जनसंचारक के तौर पर पत्रकारों को उनके कर्तव्य के प्रति सजग किया। प्राचार्य डॉ. रोइमोन ने जनसंपर्क दिवस पर अपने समाजिक दायित्व पर अपनी बात रखते हुए शुभकामनाएं दी। सेंट थामस कॉलेज पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. रीमा देवांगन ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशासक फादर वर्गीज ने मुख्य अतिथी डॉ. मनोज सोनेन को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। अपने उद्बोधन के दौरान डॉ. मनोज सोनेन ने समाज में जनसंपर्क की भूमिका बताते हुए पत्रकारों को वर्तमान समय का श्रेष्ठ जनसंचारक निरूपित किया।

एमओयू के तहत जनसंपर्क दिवस मनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एमओयू कार्यक्रम के तहत, जनसंपर्क दिवस रूआबांधा में स्थित सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई में मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सूचना सेवा के अफसर और दूरदर्शन केन्द्र रायपुर के सहायक निर्देशक (समाचार) डॉ. मनोज सोनेन थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ समस्त अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अपने आशीर्वचन में सेंट थामस महाविद्यालय के प्रशासक फादर डॉ. जोशी वर्गीज ने जनसंचारक के तौर पर पत्रकारों को उनके कर्तव्य के प्रति सजग किया। प्राचार्य डॉ. रोइमोन ने जनसंपर्क दिवस पर अपने समाजिक दायित्व पर अपनी बात रखते हुए शुभकामनाएं दी। सेंट थामस कॉलेज पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. रीमा देवांगन ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशासक फादर वर्गीज ने मुख्य अतिथी डॉ. मनोज सोनेन को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। अपने उद्बोधन के दौरान डॉ. मनोज सोनेन ने समाज में जनसंपर्क की भूमिका बताते हुए पत्रकारों को वर्तमान समय का श्रेष्ठ जनसंचारक निरूपित किया।

भूमिका बताते हुए पत्रकारों को वर्तमान समय का श्रेष्ठ जनसंचारक निरूपित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में एक बेहतर जनसंचारक बनने के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर प्रज्ञा, शील, करूणा और मैत्री का भाव होना चाहिए। इन गुणों के समावेश से ही हम अपनी बात जनसमुदाय तक पहुंचा सकते है। उन्होंने पत्रकारिता जनसंचार कि दिशा के उपरांत सरकारी और निजी क्षेत्र की सेवाओं में बेहतर भविष्य के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी।

दिग्विजय महाविद्यालय, की पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने अपने उद्बोधन के दौरान सभी को जनसंपर्क दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहां की जनसंपर्क बहुत ही आवश्यक है। बड़ी-बड़ी व्यावसायिक कंपनियां हो या अन्य तरह की बड़ी संस्थाएं सभी को जनसंपर्क अधिकारी की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पत्रकारिता से संबंधित जिज्ञासाओं का डॉ. मनोज सोनेन द्वारा समाधान किया गया। इस प्रकार के कार्यक्रम के माध्यम से एक महाविद्यालय के विद्यार्थी दूसरे महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण से रूबरू होते है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटथामस महाविद्यालय, के सहायक प्राध्यापक छवि किरण साहू, अमिताभ शर्मा, दिग्विजय महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापकगण अभिलेश सोनकर, विभा सिंह, सेवक दास समेत विद्यार्थियों की अपनी सहभागिता दर्ज किया गया। सेंट थामस महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थीगण एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

उन्होंने कहां कि आज के समय में एक बेहतर जनसंचारक

बनने के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर प्रज्ञा, शील, करूणा और मैत्री का भाव होना चाहिए। इन गुणों के समावेश से ही हम अपनी बात जनसमुदाय तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने पत्रकारिता जनसंचार कि डिग्री के उपरांत सरकारी और निजी क्षेत्र की सेवाओं में बेहतर भविष्य के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी।

दिग्विजय महाविद्यालय, की पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने अपने उद्‌बोधन के दौरान सभी को जनसंपर्क दिवस की शुभकामनांए देते हुए कहां की जनसंपर्क बहुंत ही आवश्यक है। बडी़ बड़ी व्यावसायिक कंपनियां हो या अन्य तरह की बड़ी संस्थाएं सभी को जनसंपर्क अधिकारी की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पत्रकारिता से संबंधित जिज्ञासाओं का डॉ. मनोज सोनेन द्वारा समाधान किया गया इस प्रकार के कार्यक्रम के माध्यम से एक महाविद्यालय के विद्यार्थी दूसरे महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण से रूबरू होते है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटथामस महाविद्यालय, के सहायक प्राध्यापक छवि किरण साहू, अमिताभ शर्मा, दिग्विजय महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापकगण अमितेश सोनकर, विभा सिंह, सेऊक दास समेत विद्यार्थियों की अपनी सहभागिता दर्ज किया गया। सेंट थामस महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थीगण एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।

दिनांक – 27.04.2023

मीडिया का क्षेत्र हमेशा संभावनाओं से भरा होता है : प्राचार्य डॉ.टांडेकर

- **ये फेविकोल का जोड़ है : निर्देशक दूरदर्शन श्री नीलम सोना**
- **मीडिया कोर्स जॉब ओरियेंन्टेंड कोर्स है : कैमरामेन श्री मनोज लोखंडे**

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन. जागृत के नेतृत्व में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। दूरदर्शन रायपुर से विषय विशेषज्ञ श्री नीलम सोना जी, निर्देशक – डी. डी. किसान, दूरदर्शन रायपुर दिल्ली थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर जी ने की। कार्यक्रम में श्री नीलम सोना जी के साथ ही कैमरामेन श्री मनोज लोखंडे एवं दूरदर्शन टीवी प्रोडक्शन यूनिट की पूरी टीम उपस्थित थी। राजगीत से प्रारंभ इस व्याख्यान में विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने का उद्देश्य है कि हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों के सुने जो हमारे विद्यार्थियों को कैरियर गाईडेंस दे सकें। प्रत्येक व्याख्यान से कुछ न कुछ दिशा मिलती है इसलिए मैं कहती हूँ – कि ''तकरीर वह फूल है, मेरे बच्चों, जिसकी महक कभी जाती नहीं।''

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र प्रवेश करता है तो वह निश्चत ही सफल होता है आज हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित है निश्चत ही उनका वक्तव्य आपका मार्ग प्रशस्त्र करेगा।

मीडिया का क्षेत्र ऐसा है जहां रोजगार व प्रसिद्धि दोनों हासिल होता है: मनोज

भास्कर न्यूज़ | राजनांदगांव

दिग्विजय कॉलेज में पत्रकारिता विभाग के द्वारा एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ.केएल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बीएन जागृत के नेतृत्व में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। दूरदर्शन रायपुर से विषय विशेषज्ञ नीलम सोना थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.केएल टांडेकर ने की। कार्यक्रम में नीलम सोना के साथ ही मनोज लोखंडे एवं पूरी टीम उपस्थित थी।

विभागाध्यक्ष डॉ.जागृत ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने का उद्देश्य है कि हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों को सुनें जो हमारे विद्यार्थियों को कॅरियर गाइडेंस दे सकें। प्राचार्य डॉ.टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र प्रवेश करता है तो वह निश्चित ही सफल होता है आज हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित हैं। मनोज लोखंडे ने कहा कि वर्तमान में मीडिया का क्षेत्र ऐसा है जहां आपको रोजगार और धन दोनों हासिल होता है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां आप स्वयं हीरो बन सकते हैं। विषय विशेषज्ञ सोना ने टीवी प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते हैं कि हमारे पास संसाधन नहीं हैं।

राजनांदगांव. दिग्विजय कॉलेज के सभागार में किया गया आयोजन।

मीडिया का क्षेत्र हमेशा संभावनाओं से भरा होता है– डॉ.के.एल.टांडेकर

राजनांदगांव (दावा)। शा. दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। दूरदर्शन रायपुर से विषय विशेषज्ञ नीलम सोना निर्देशक डी.डी. किसान, दूरदर्शन रायपुर एवं दिल्ली दूरदर्शन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने की। कार्यक्रम में नीलम सोना के साथ ही कैमरामेन मनोज लोखंडे एवं दूरदर्शन यूनिट की पूरी टीम उपस्थित थी। राजगीत से प्रारंभ इस व्याख्यान में विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने का उद्देश्य है कि हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों के सुने जो हमारे विद्यार्थियों को कैरियर गाईडेंस दे सकें। प्रत्येक व्याख्यान से कुछ न कुछ दिशा मिलती है इसलिए मैं कहती हूँ कि तकरीर वह फूल है, मेरे बच्चों, जिसकी महक कभी जाती नहीं। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र प्रवेश करता है तो वह निश्चत ही सफल होता है आज हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित है निश्चत ही उनका वक्तव्य आपका मार्ग प्रशस्त्र करेगा।

विषय विशेषज्ञ नीलम सोना ने कहा टी.वी. प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते है कि हमारे पास संसाधन नहीं है। आपके हाथ में आपका संसाधन जिसे हम मोबाइल कहते है। प्रत्येक क्षेत्र विडियो का निर्माण, फोटोसूट कर सकते है। आपने पावर पाईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से उन्होंने एड शूट करने का तरीका बताया कि कैसे बिना डायलाग के भी आप अपनी बात लोगों तक पहुंचा सकते है। विज्ञापन के क्षेत्र में भी नाम और पैसा दोनों है। फेविकोल का विज्ञापन उन्होंने दिखाकर उन्होंन बताया कि जरूरी नहीं आपके डाक्यूमेंट्री में संवाद हो यह देखिये 'ये फेविकोल का जोड़ है' का मेसेज आपने आप प्रसारित हो रहा है। आप किसी भी विषय पर डाक्यूमेंट्री बना सकते है जो देश और समाज के साथ-साथ आपके लाभदायक हो सकता है। दूरदर्शन किसान के प्रमुख कैमरामेन मनोज लोखंडे ने कहा कि वर्तमान में मीडिया का क्षेत्र ऐसा है जहां आपको रोजगार और धन दोनों देता है।

विषय विशेषज्ञ श्री नीलम सोना जी ने टी. वी. प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते है कि हमारे पास संसाधन नहीं है, आपके हाथ में आपका संसाधन है जिसे हम मोबाइल कहते है। प्रत्येक क्षेत्र विडियो का निर्माण एवं फोटोग्राफी कर सकते है। आपने पावर पाईट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से एड शूट करने का तरीका बताया कि कैसे बिना डॉयलांग के भी आप अपनी बात लोगों तक पहुंचा सकते हैं। विज्ञापन के क्षेत्र में भी नाम और पैसा दोनों है। फेविकोल का विज्ञापन दिखाकर उन्होनें बताया कि जरूरी नहीं आपके डाक्यूमेंट्री में

संभावनाओं से भरा होता है मीडिया का क्षेत्र : डा. केएल टांडेकर

संवाद हो। यह देखिये *"ये फेविकोल का जोड़ है"* का मैसेज अपने आप प्रसारित हो रहा है। आप किसी भी विषय पर डाक्यूमेंट्री बना सकते है जो देश और समाज के साथ – साथ आपके लिए भी लाभदायक हो सकता है।

दूरदर्शन किसान के प्रमुख कैमरामेन श्री मनोज लोखंडे ने कहा कि वर्तमान में मीडिया का क्षेत्र ऐसा है जहां आपको रोजगार और धन दोनों हासिल होती है। यह ऐसा क्षेत्र जहां आप स्वंय हीरो बन सकते है।

इस अवसर पर दूरदर्शन रायपुर से श्री त्रिलोचन साहू, श्री बी. एच. मांझी, श्री विजय जावलकर, पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी बड़ी संख्या उपस्थित हुए। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासएं व्यक्त की जिनका समाधान श्री नीलम सोना जी एवं उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री विभा सिंह एवं अभार व्यक्त अमितेश सोनकर ने किया। अनुशासन समिति संयोजक श्री सेऊक दास थे।

दिनांक – 08.05.2023

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखी दूरदर्शन की कार्यप्रणाली

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान दूरदर्शन केंद्र रायपुर का किया भ्रमण

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव पत्रकारिता एवं जनसंचार (बीएजेएमसी) विभाग के 50 विद्यार्थियों की टीम शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन की कार्यप्रणाली देखने को मिला। टीम का मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ. के.एल.टांडेकर और पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत, के नेतृत्व में किया। भ्रमण में दूरदर्शन के स्टूडियो, पावर सप्लाई रूम, संपादन कक्ष सहित अन्य विभागों को भी विद्यार्थियों ने देखा और उनके कार्यों को जाना।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखी दूरदर्शन की कार्यप्रणाली

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान दूरदर्शन केंद्र रायपुर का किया भ्रमण

राजनांदगांव (दास)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार (बीएजेएमसी) विभाग के 50 विद्यार्थियों की टीम शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन की कार्यप्रणाली देखने को मिला। टीम का मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर और पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत, के नेतृत्व में किया। भ्रमण में दूरदर्शन के स्टूडियो, पावर सप्लाई रूम, संपादन कक्ष सहित अन्य विभागों को भी विद्यार्थियों ने देखा और उनके कार्यों को जाना।

निर्देशक डी. डी. किसान, दूरदर्शन, रायपुर श्री नीलम सोना ने इस दौरान स्टूडेंट्स को स्टूडियो संरचना, थ्री कैमरा शूटिंग, लाइटिंग के सिद्धांत, पीसीआर कक्ष एवं एडिटिंग की जानकारी दी। स्टूडियो में लाइव, टेलीप्रॉम्टर, लाइट्स, प्रोफेशनल कैमरा, क्रोमा स्क्रीन आदि के बारे में विस्तृत से बताया गया। साथ ही तकनीक क्षेत्र में ध्यान देने योग्य बातें, साउंड व वीडियो का सही सामंजस्य, इफेक्ट्स आदि की जानकारी दी।

वहीं इंजीनियरिंग हेड़ शालनी गुप्ता ने तकनीकी विभाग के बारे में रुबरुब करवाया। एवं यह भी बताया कि न्यूज एंकर को एंकरिंग के दौरान स्क्रिप्ट व तकनीक की जानकारी होना चाहिए, साथ ही प्रस्तुतिकरण का भी खास ध्यान रखना चाहिए। दूरदर्शन के लिए समाचार लिखने के तरीके, स्रोत, शब्दों का चयन, प्रस्तुतिकरण आदि की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासएं व्यक्त की जिनका समाधान श्री नीलम सोना जी एवं विभागीय विशेषज्ञयों ने किया साथ ही सभी विद्यार्थी को दूरदर्शन केन्द्र रायपुर में टीवी प्रोडक्शन से जुडे प्रत्येक कार्य को हमसे मिलकर प्रायोगिक तौर से करने की सलह भी दी। शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान श्री अमितेश सोनकर, श्री सेऊक दास, शोध छात्रा बिन्दु डनसेना का विशेष सहयोग रहा।

दिग्विजय कैम्पस का विमोचन :– विभाग से प्रकाशित *''दिग्विजय कैम्पस''* समाचार पत्र का प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के अध्यक्षता, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेद्र सिंह, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. एच. एस. भाटिया, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता शंकर एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक, की उपस्थिति में *''दिग्विजय कैम्पस''* के 12 वें अंक का विमोचन किया गया। यह त्रैमासिक समाचार पत्र का प्रकाशन विभागाध्यक्ष के प्रधान संपाकदत्व एवं विभागीय शिक्षको के संपादन में ***''दिग्विजय कैंपस''*** का प्रकाशन विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण की तरह होता है, जिसके लिए रिर्पोटिग का कार्य बीएजेएमसी के विद्यार्थी करते हैं।

पुरस्कार सम्मान :– वार्षिक पदक वितरण समारोह में विभाग के छात्र – छात्राओं ने नृत्य नाटिका, समूह कार्यक्रम प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त कर किया विद्यार्थीयों को महाविद्यालय परिवार की ओर से मेंडल व प्रमाण – पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया।